


9 $\frac{12}{25}$
रविंद्र

वाही द्वारा पत्रावली विद्या निदेश
जाते हुए एक प्रार्थना पत्र पेश उभा।
वकील वाही ने वाइफा दावा अख्त
विद्या पेश कर निवेदन किया। कि वह
पक्षमातंग के मध्य रात्रिनाम के पत्र
अब कोई विवाद शेष नहीं रहा। मूल
दरम मातंग वाही प्रकटण को आपने नहीं
पक्षमातंग पाए है। अतः पत्रावली विद्या
प्रमाणों की रूपा करें। वकील वाही का
वाइफ-पत्र अख्त विद्या करने - पावटिल के
स्वीकार किया जाकर कार्यवाही प्रकटण
इसी रूट पर छिप किया जाल है
पत्रावली फेसल शुमार बिल नाकर है
कम बिल दर्जत थाकिल है।


सहार (F.T.)
नीमवा... (फर)

